रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 27 मई, 2026

वर्ष-2 |अंक-124 |कुल पृष्ठ:8-Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंदौर में जलसंकट को लेकर सड़कों पर उतरी कांग्रेस

नेताओं ने दूषित पानी और पेयजल संकट को लेकर सरकार को घेरा
कार्यकर्ताओं ने निगम मुख्यालय पर मटके फोड़कर विरोध जताया

इंदौर में जलसंकट के बिगड़े हालातों के बीच राजनीति भी गरमा गई। मंगलवार को कांग्रेस ने इस मुद्दे पर राजवाड़ा पर बड़ा प्रदर्शन किया। इसमें खुद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शामिल हुए।

उन्होंने राजवाड़ा पर धरने को संबोधित करते हुए कहा कि जनता ने इंदौर से एक भी कांग्रेस का विधायक नहीं दिया। इंदौर विपक्ष विहीन है। भाजपा को जनता से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस फिर भी विपक्ष की भूमिका इंदौर में निभा रही है। इंदौरवासियों को अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाना होगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा कि इंदौर से सफाई में नाम कमाया, लेकिन पानी को लेकर शर्मिंदा होना पड़ रहा है। पहले भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण मौतें हुई और अब लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि इंदौर जिले में भाजपा के 9 विधायक, सांसद और मेयर है, लेकिन फिर भी पानी को लेकर हालात बिगड़े हुए है। इन जनप्रतिनिधियों ने जनता का विश्वास खो दिया।

धरने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता रैली के रूप में निगम मुख्यालय तक खाली मटके लेकर पहुंचे और गेट के सामने फोड़ कर विरोध जताया। प्रदर्शन को देखते हुए मुख्यालय पर पुलिस बल भी तैनात था। कांग्रेस कार्यकर्ता महापौर पानी दो, पानी नहीं दे सकते तो इस्तीफा दो के नारे लगाए। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री बाला बच्चन, महिला प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, अमित चौरसिया सहित अन्य नेता मौजूद थे। प्रदर्शन के बाद अफसरों को ज्ञापन भी दिया गया।

प्रदर्शन के लिए कांग्रेस ने राजवाड़ा को चुना। इस कारण मध्य क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई। एमजी रोड, कृष्णपुरा ब्रिज पर वाहनों की कतार लग गई। लोग ट्रैफिक से बचने के लिए गलियों में वाहन ले जाने लगे, लेकिन उन्हें वहां भी ट्रैफिक जाम मिला।

मध्यप्रदेश के 45 शहर हीटवेव की चपेट में

मौसम विभाग ने 28 मई से प्री-मानसून गतिविधियां बढ़ने और 14 जिलों में बारिश की संभावना जताई

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार नौतपा की शुरुआत अलग अंदाज में हुई है। एक तरफ प्रदेश के 45 शहर भीषण लू और तेज गर्मी की चपेट में हैं, वहीं दूसरी तरफ कई जिलों में आंधी और बूंदाबांदी ने मौसम का मिजाज बदल दिया।

मौसम विभाग ने 28 मई से प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने के संकेत दिए हैं। इसके तहत प्रदेश के 14 जिलों में बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया गया है। निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में तीव्र लू का रेड अलर्ट है। वहीं भोपाल, ग्वालियर समेत 45 जिलों में हीटवेव जैसे हालात बने रहे। इधर, इंदौर और नर्मदापुरम संभाग में गर्मी से थोड़ी राहत मिलने के आसार जताए गए हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्मी छतरपुर जिले में दर्ज की गई। खजुराहो का तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो अब तक का रिकॉर्ड बताया जा रहा है। नौगांव में पारा 46.8 डिग्री दर्ज हुआ। इसके अलावा दतिया, मंडला, टीकमगढ़, मलाजखंड, सतना, दमोह और रीवा में भी तापमान 44 से 45 डिग्री के बीच बना रहा। राजधानी भोपाल में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ग्वालियर 44 डिग्री के साथ सबसे गर्म बड़े शहरों में शामिल रहा। जबलपुर में 43.9 डिग्री, उज्जैन में 41.8 डिग्री और इंदौर में 41.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

28 मई से बदल सकता है मौसम

मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन तक प्रदेश में भीषण गर्मी का असर बना रहेगा, लेकिन 28 मई से मौसम करवट ले सकता है। ग्वालियर, चंबल, सागर और जबलपुर संभाग के कई जिलों में हल्की बारिश, तेज हवा और गरज-चमक की संभावना जताई गई है। इसके पीछे पश्चिमी हिस्से से गुजर रहा टर्फ सिस्टम बताया जा रहा है। 28 मई को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडौरी में हल्की बारिश हो सकती है।

सिंहस्थः 2028, श्रद्धालुओं को मिलेगा माँ शिप्रा के जल से स्नान का पुण्य लाभ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गरिमामय रहा शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का समापन समारोह

सुगम संगीत संध्या में दरभंगा की सुश्री मैथिली ठाकुर ने दी संगीतमयी प्रस्तुति

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ : 2028 में 30 किलोमीटर से अधिक लंबाई में निर्मित शिप्रा के घाट श्रद्धालुओं को पुण्य स्नान का लाभ प्रदान करेंगे। मां शिप्रा के स्वच्छ जल की उपलब्धता आयोजन को पावन बनाएगी।

लगभग छह दशक बाद यह संभव होगा जब श्रद्धालु सिर्फ माँ शिप्रा के प्रवाहमान जल से सिंहस्थ के लिए पहुंचकर स्नान कर सकेंगे। गत सिंहस्थ : 2016 में माँ नर्मदा के जल से स्नान की सुविधा प्राप्त होने के बावजूद श्रद्धालुओं ने कामना की थी कि मां शिप्रा का जल पूरी तरह से प्रवाहित हो और स्नान लाभ ले सकें। श्रद्धालुओं की आकांक्षा को पूर्ण करने के लिए राज्य सरकार ने आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। बाबा महाकाल और संतों के आशीर्वाद से श्रेष्ठ प्रबंध कर हम सिंहस्थः 2028 को यादगार बनाएंगे। सिंहस्थ के आयोजन से नए कीर्तिमान बनेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मां शिप्रा के आशीर्वाद से समारोह में अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहे हैं। दीपामलिकाएं देखकर लगता है जैसे दीप पर्व आ गया हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कामना की कि सभी को यश प्राप्त हो। त्रिवेणी से सिद्धनाथ तक शिप्रा जी के घाट पवित्र माने जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ की दृष्टि से अनेक कार्य संचालित हैं, जो सिंहस्थ के आयोजन को श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने का कार्य करेंगे।

भारत की मेलजोल की उत्कृष्ट परम्परा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ विरासत का संरक्षण भी हो रहा है। हाल ही में हुए न्यायालय के निर्णय भी परिपालन की दृष्टि से स्वर्णकाल का आभास करवाते हैं। देश के नागरिक सभी निर्णयों पर भरोसा करते हुए परस्पर सहयोग और समरसता का परिचय दे रहे हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के भूमि-पूजन और लोकार्पण में ऐसे सभी लोग उपस्थित हुए जिन्होंने मंदिर के संबंध में वर्षों तक न्यायालय में मुकदमा लड़ा। हमारे देश में मेलजोल की उत्कृष्ट परम्परा है।

राजभोज का उज्जैन से लेकर भोपाल तक संबंध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजाभोज का उज्जैन से लेकर भोपाल तक संबंध है। धार में भोजशाला में मां वागदेवी की प्रतिमा स्थापित होगी। न्यायालय के निर्णय के बाद यह मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का शासन काल सम्राट विक्रमादित्य के शासन काल की याद दिलवाता है, जिसमें प्रत्येक नागरिक का हित सर्वोपरि रहा।

जल गंगा संवर्धन अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने तीन माह से अधिक अवधि के जल गंगा संवर्धन अभियान में कुओं- तालाबों, नदियों, पोखर, जलाशय और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण संवर्धन के कार्यों का संचालन किया है। इसमें जनता की भागीदारी भी हो रही है। मध्यप्रदेश नदी जोड़ो अभियान के क्रियान्वयन में अग्रणी बना है।

समारोह में दरभंगा से कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए आई गायिका और बिहार विधानसभा की सदस्य सुश्री मैथिली ठाकुर ने भजन प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से पूर्व सुश्री ठाकुर का मध्यप्रदेश आगमन पर स्वागत किया।

नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी सफलता 09 चोरी की वारदातों का खुलासा

28 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति एवं वाहन जब्त

तीन शातिर नकबजन गिरफ्तार

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना मजबूत करने हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाइयां की जा रही हैं।

प्रदेश में सक्रिय अपराधियों की निगरानी, रात्रि गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग के साथ-साथ चोरी की घटनाओं के त्वरित खुलासे हेतु विशेष पुलिस टीमें गठित की जा रही हैं। इसी क्रम में नरसिंहपुर जिले के थाना गाडरवारा एवं थाना सुआतला पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कुल 09 चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए लगभग 28 लाख रुपये से अधिक की चोरी गई संपत्ति एवं वाहन जब्त कर तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। थाना गाडरवारा क्षेत्रांतर्गत 05 मई को आनंद विहार कॉलोनी स्थित एक सूने मकान से सोने के जेवर चोरी होने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों का संकलन कर रेलवे स्टेशन गाडरवारा के पास से एक संदेही को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा आनंद विहार कॉलोनी स्थित सूने मकान में चोरी करना स्वीकार किया गया। साथ ही करेली, सिहोरा एवं गाडरवारा क्षेत्र में अन्य चोरी की वारदातें एवं दो मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं करना भी स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने के 04 कंगन, 01 हार, 03 मंगलसूत्र, 02 जोड़ी झुमकी, 01 जोड़ी टॉप्स, 01 चेन, 01 मांग टीका, 02 अंगूठी, 01 पांचाली, चांदी की 01 जोड़ी पायल एवं 200 चांदी की अंगूठियां सहित लगभग 17 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध थाना महाराजपुर, थाना केसली जिला सागर, थाना गाडरवारा, थाना सुआतला एवं थाना करेली जिला नरसिंहपुर में गृहभेदन, मोटरसाइकिल चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट एवं आबकारी एक्ट के तहत विभिन्न अपराध पंजीबद्ध पाए गए हैं। इसी प्रकार थाना सुआतला क्षेत्र में 06 मार्च को बरमान कला स्थित हनुमान मंदिर एवं दिनांक 17 अप्रैल को ग्राम लोलरी स्थित सूने मकान में चोरी की घटनाएं हुई थीं, जिनमें अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी की गई थी। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर दो आरोपियों की पहचान की गई। आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उनके द्वारा मंदिर एवं सूने मकान में चोरी करना स्वीकार किया गया।

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चांदी का छत्र एवं मुकुट, सोने-चांदी के जेवरात तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित लगभग 11 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेशभर में अपराध नियंत्रण, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यह कार्यवाही न केवल अपराधियों के विरुद्ध सख्त संदेश है, बल्कि यह आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को भी और अधिक सुदृढ़ करती है।

वन विभाग में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने

आईटी ट्रेनिंग हॉल का लोकार्पण

भोपाल. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री शुभरंजन सेन ने भोपाल स्थित वन भवन में अत्याधुनिक आईटी ट्रेनिंग हॉल का लोकार्पण किया। यह पहल वन विभाग में नवाचार और आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री सेन ने कहा कि बदलते समय के साथ शासन-प्रशासन में तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। आईटी ट्रेनिंग हॉल के माध्यम से विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल तकनीकों, ई-गवर्नेंस प्रणाली और आधुनिक सॉफ्टवेयर आधारित कार्यप्रणालियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इससे विभागीय कार्यों में दक्षता, पारदर्शिता और त्वरित निर्णय प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी।

श्री सेन ने कहा कि वन विभाग द्वारा तकनीक आधारित नवाचारों को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिजिटल कार्य संस्कृति को सशक्त बनाने के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण हॉल तैयार किया गया है। इससे विभागीय कार्यों के बेहतर प्रबंधन, डेटा विश्लेषण तथा सूचना आदान-प्रदान में सुविधा होगी। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आत्मसाक्षात्कार : परमात्मा के अंतिम आशीर्वाद को पाने की ओर पहला कदम

परमपिता परमेश्वर ने इस सृष्टि की रचना के बाद अपनी सबसे सुंदर कृति बनाई — मानव। परमात्मा ने मनुष्य को अपना प्रतिबिंब मानकर उसे फल, फूल, अन्न, सुंदर प्रकृति, बुद्धि, धन-दौलत और अनेक आशीर्वाद दिए। अब केवल एक अमूल्य आशीर्वाद शेष था — "निर्विचार अवस्था" के बाद प्राप्त होने वाली अमृतमयी मनःशांति। परंतु परमात्मा ने सोचा कि यदि यह भी मानव को सहज ही मिल जाए, तो वह परमात्मा को भूलकर केवल भौतिक सुखों में खो जाएगा। परमपूज्य श्री माताजी प्रणीत सहजयोग हमें उसी परम प्रेम, करुणा और शांति की ओर ले जाता है, लेकिन हम भौतिक माया में उलझे हुए हैं। श्री माताजी ने कहा है कि धन और भौतिकता मनुष्य को उसके सूक्ष्म अस्तित्व से दूर कर देते हैं। भौतिकता व धन दोनों ही इस भौतिक संसार के लिए आवश्यक चीज हैं परंतु उतनी ही मात्रा में जो आपके जीवन यापन को सुगम बना सके । यदि आप पूर्ण रूप से वस्तुओं के अधीन हो जाते हैं, अपने व अपने निर्माता परमपिता दोनों ही के अस्तित्व को भुलाकर मात्र वस्तु बनकर रह जाते हैं तब निराशा, तनाव, अशांति, उदासी व अवसाद आपके जीवन के अंग बन जाते हैं। और परमात्मा का अंतिम आशीर्वाद जो हमें स्वयं अपने प्रयासों से प्राप्त करना होगा ही इन परिस्थितियों का उपचार होता है। परमपूज्य श्री माताजी कहती हैं कि जब तक मनुष्य आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर अपने चित्त और आत्मा को एकाकार नहीं करता, तब तक उसे सच्चा प्रेम, आनंद और संतोष नहीं मिल सकता। लेकिन आत्मसाक्षात्कार के बाद जब मनुष्य उस अमृतमयी मनःशांति का अनुभव करता है, तब उसके हृदय से केवल यही भाव निकलता है —

"हे परमेश्वर! आपकी अहैतु की कृपा के लिए हम सदा आपके ऋणी रहेंगे।"

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

ब्रह्मलीन आयुष जी शर्मा के पुण्यतिथि माह में समर्पित नीर पात्र वितरण कार्यक्रम की श्रृंखला निरंतर जारी

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयुष लोक कल्याण संस्था द्वारा नीर पात्र वितरण कार्यक्रम आयुष नीर प्रकल्प के द्वारा विभिन्न स्थानों पर सकोरे,रांझण नीर पात्र रखे गए है। इस पुण्य कार्य के सहभागी आयुष लोक कल्याण संस्था अध्यक्षा सुश्री नेहा शर्मा,सह प्रबंधक सुश्री कोमल बिष्ट,महिला मंडल प्रमुख नेहा जोशी, सीमा शर्मा, ज्योति शर्मा, देवकी बिष्ट, दीक्षा चांडक, श्वेता शर्मा, शिवानी बिष्ट, दीपिका अरोरा, पलक जामोद, आभा गवली, कांता मिरदवाल, प्रद्युम्न कालरा, गीता गवली, अमन धाकड़, राकेश जोशी, शिव पाराशर, वीनू शर्मा, राहुल शर्मा,

नारायण गावशिंदे, श्री मुदड़ा, डॉक्टर जाजू, अंशुल जैन, रितेश वैष्णव, उदित सैनी, श्री संतोष यादव, धर्मेंद्र वैष्णव, प्रतीक रावत मुकेश माहेश्वरी, मालती, रिंकी वैष्णव, मनीषा बांके, प्रमिला जोशी, मोहन दास बांके, आशा खरोटे, ऊषा अरोरा, स्वाति दुबे, प्रेरणा खरोटे, चेतना वाजपेई रचना शर्मा, भूमिका खरोटे, मंजू पाराशर आदि रहे। प्रत्येक नीर पात्र का प्रभारी नियुक्त किया जाता है जो नीर पात्र के भरने एवं स्वच्छता की व्यवस्था करता है। नीर पात्र कार्यक्रम के आर्थिक सहयोगी प्रहलाद शर्मा,भूमिका खरोटे,नेहा शर्मा वंडर किड्स, सन्नी बांठिया, सीमा शर्मा, राम अवतार शर्मा प्रमुख रहे। मानवता की ओर एक कदम आयुष लोक कल्याण संस्था के संग आओ मिलकर नीर प्रहरी बने राँझन, सकोरे एवं नीर पात्र का वितरण करे।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस हेतु तैयार की गई IEC सामग्री का विमोचन किया

इन्दौर. विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस (WNTD) हेतु तैयार की गई IEC सामग्री का विमोचन किया गया।

इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम "निकोटिन और तंबाकू की लत के दुश्चक्र को तोड़ना" रखी गई है।

IEC सामग्री के विमोचन अवसर पर मध्यप्रदेश वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक श्री मुकेश कुमार सिन्हा भी उपस्थित रहे। श्री सिन्हा ने बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस (WNTD) हेतु तैयार की गई IEC सामग्री इंदौर संभाग के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों में भी आयोजन एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों में उपयोग हेतु भेजी जा चुकी है। कार्यक्रम के दौरान संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि युवाओं एवं विद्यालय जाने वाले बच्चों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए संभाग में तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों से अपील की कि तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास किए जाएँ तथा युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए।

शहर में बढ़ते भीषण जल संकट को देखते हुए शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आज राजवाड़े पर विशाल धरना आंदोलन किया गया जिसमें मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 20 के अध्यक्ष पुखराज सिंह राठौड़ एवं वार्ड 43 के अध्यक्ष अकरम खान वार्ड 48 के अध्यक्ष अमरदीप सिलावट बसों द्वारा क्षेत्र के रहवासियों के साथ ताकत से पहुंचे और महापौर भ्रष्ट नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जिसमें मुख्य रूप से मदन यादव जी नंदकिशोर कौशल जी धर्मेंद्र बोरासी जी रंजीत गौहर जी राजा पाल जी जीतू यादव जी संतोष बौरासी जी कमलेश पाल जी करण धीमान जी लक्की जायसवाल जी बाबू कैथवास जी गज्जू वर्मा जी केसव निगीते जी भरत परमार जी सतीश चौहान जी राजदीप सिलावट जी ऋतिक सिलावट जी दीपक कौशल जी और सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

प्रदेशवासियों की ओर से किया प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिनंदन

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया से गांव-गरीब तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित हुई है। अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। राष्ट्र प्रथम की भावना से GYAN मंत्र में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के उत्थान तक, सीमाओं की सुरक्षा से नक्सल व आतंक मुक्त भारत के निर्णायक परिणाम तक, भारत ने अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। आज भारत वैश्विक मंचों पर निर्णायक नेतृत्व कर रहा है और दुनिया भारत को विश्वास, विकास व वैभव के प्रतीक के रूप में देख रही है। 'विकसित भारत @ 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व राष्ट्र को निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी का इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों की ओर से अभिनंदन किया है।

ॐ श्री महाकालेश्वराय नमः

दिनांक 26 मई 2026 को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

आरएपीटीसी इंदौर एवं 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल इंदौर का संयुक्त दीक्षांत परेड समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

"पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना, साहस और जनता के विश्वास का प्रतीक" - डीजीपी श्री मकवाणा

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष सशस्त्र बल के गौरवशाली इतिहास एवं अनुशासित परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इंदौर स्थित रुस्तमजी सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में आरएपीटीसी इंदौर एवं 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल इंदौर के नव आरक्षकों का संयुक्त दीक्षांत परेड समारोह अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा उपस्थित रहे। इस गरिमामय आयोजन की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकविशेष सशस्त्र बल मुख्यालयभोपालश्री चंचल शेखरद्वारा की गई।

नव आरक्षकों को संबोधित करते हुए डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि आज का दिन केवल एक औपचारिक दीक्षांत समारोह नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण, परिश्रम एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प का गौरवपूर्ण उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज से नव आरक्षक केवल पुलिस बल का हिस्सा नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, कानून की गरिमा एवं राष्ट्र की सुरक्षा के प्रहरी बन गए हैं।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि रुस्तमजी सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय का नाम मध्यप्रदेश पुलिस के पूर्व महानिदेशक एवं सीमा सुरक्षा बल (BSF) के संस्थापक के.एफ. रुस्तमजी के नाम पर रखा गया है, जिनका मध्यप्रदेश पुलिस की व्यवस्थाओं, कल्याणकारी गतिविधियों एवं संस्थागत ढाँचे को मजबूत करने में ऐतिहासिक योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि रुस्तमजी जैसे महान अधिकारियों की विरासत से प्रेरणा लेकर नव आरक्षकों को सेवा, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए।

श्री मकवाणा ने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना, साहस एवं जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने नव आरक्षकों से कहा कि तिरंगे के समक्ष ली गई शपथ को वे अपने जीवन का सर्वोच्च आदर्श बनाएं तथा हर परिस्थिति में कानून, संविधान एवं मानवीय मूल्यों की रक्षा करें।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि में नव आरक्षकों ने शारीरिक दक्षता के साथ-साथ आउटडोर ड्रिल, हथियार संचालन, फील्ड क्राफ्ट, कानून-व्यवस्था नियंत्रण, साइबर अपराध, आपदा प्रबंधन एवं आधुनिक पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न विषयों में दक्षता प्राप्त की है। चुनाव ड्यूटी एवं अन्य कानून-व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं में सहभागिता के माध्यम से उन्हें व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल शक्ति प्रदर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदनशील जनसेवा का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जब कोई पीड़ित व्यक्ति पुलिस के पास आए, तो उसे वर्दी में कठोरता नहीं बल्कि सुरक्षा, विश्वास, सहानुभूति एवं न्याय का भरोसा दिखाई देना चाहिए। समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को भी यह विश्वास होना चाहिए कि पुलिस उसके साथ खड़ी है।

डीजीपी ने कहा कि वर्तमान समय में पुलिस की जिम्मेदारियाँ अत्यंत चुनौतीपूर्ण एवं तनावपूर्ण हैं। पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा हार्टफुलनेस संस्था के साथ एमओयू कर ध्यान एवं योग आधारित कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि पुलिस बल मानसिक रूप से अधिक संतुलित एवं सक्षम बन सके।

विशेष सशस्त्र बल के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए श्री मकवाणा ने कहा कि चंबल क्षेत्र में दस्यु उन्मूलन से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापना तक विशेष सशस्त्र बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव ड्यूटी का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदान केंद्र पर हार्ट अटैक से पीड़ित अधिकारी को सीपीआर प्रशिक्षित जवानों ने तत्काल सहायता देकर उसका जीवन बचाया। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण पुलिस बल की मानवीय संवेदनशीलता एवं सेवा भावना को प्रदर्शित करते हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी केवल कानून के रक्षक नहीं, बल्कि शांति, विश्वास एवं सुरक्षा के दूत हैं। उनके निर्णय, व्यवहार एवं कार्यशैली से पुलिस विभाग की छवि निर्मित होती है। उन्होंने नव आरक्षकों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपने आचरण, अनुशासन एवं सेवा भावना से जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत करेंगे।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने प्रशिक्षण संस्थानों के अधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने नव आरक्षकों को शारीरिक रूप से सक्षम, मानसिक रूप से दृढ़ एवं नैतिक रूप से जागरूक पुलिसकर्मी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम के अंतर्गत आरएपीटीसी इंदौर के 482 तथा 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल इंदौर के 135 नव आरक्षकों सहित कुल 617 नव आरक्षकों का दीक्षांत पुलिस महानिरीक्षक श्री चन्द्रशेखर सोलंकी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नव आरक्षकों द्वारा प्रस्तुत अनुशासित, आकर्षक एवं सशक्त परेड ने उपस्थित सभी गणमान्यजनों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

परेड उपरांत नव आरक्षकों ने राष्ट्र, संविधान एवं जनसेवा के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की शपथ ली। इसके पश्चात अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसएएफ श्री चंचल शेखर ने प्रशिक्षण की संरचना एवं उपलब्धियों का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया।

समारोह में परेड निष्क्रमण उपरांत नव आरक्षकों द्वारा साइलेंट ड्रिल, पीटी डिस्प्ले एवं यूएसी का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। अश्वरोही दल द्वारा प्रस्तुत विशेष गतिविधियों ने उपस्थितजनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में बीएसएफ बैंड, प्रथम वाहिनी बैंड एवं 15वीं वाहिनी बैंड द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गई।

समारोह में पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष सिंह, पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण श्री अनुराग, पुलिस उप महानिरीक्षक एसएएफ इंदौर, श्री अमित सिंह, बीएसएफ पुलिस महानिरीक्षक श्री तेजिन्दर सिंह सिद्धू, पुलिस उप महानिरीक्षक आरएपीटीसी श्री धर्मेंद्र सिंह भदौरिया, इंदौर जोन एसएएफ के कमांडेंट और अन्य पुलिस अधिकारीगण के साथ सेवानिवृत्त अधिकारीगण, परिवारजन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना जिले में श्रमिकों की मृत्यु की घटना पर दुख व्यक्त किया

मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता देने के निर्देश

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना जिले के नयापुरवा में निर्माणाधीन कुएं के धंसने से श्रमिकों की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है। उल्लेखनीय है कि पन्ना जिले में कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से 5 श्रमिकों की दर्दनाक मृत्यु हो गई। मृतकों में 4 श्रमिक एक ही परिवार के हैं। बचाव दल ने दो मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकलने में सफलता प्राप्त की है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोलार क्षेत्र में बिजली चोरी पकड़ने की बड़ी कार्रवाई

51 किलोवॉट का अवैध लोड पकड़ा, उपभोक्ता ने जमा किए 7.52 लाख रूपये

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोलार रोड क्षेत्र के इनायतपुर गांव में विजिलेंस टीम के माध्यम से कार्रवाई कर बड़े पैमाने पर हो रही बिजली चोरी को पकड़ा है। बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ता द्वारा कुल 7.52 लाख रूपये का जुर्माना जमा किया गया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक शहर वृत्त श्री प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि गत 22 मई 2026 को विजिलेंस टीम ने इनायतपुर (बैरागढ़ चिचली) निवासी उपभोक्ता श्री इकबाल खान के परिसर का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान परिसर में वैध सीमा से कहीं अधिक, कुल 51.17 किलोवॉट (KW) का भार अवैध रूप से संचालित पाया गया। टीम ने तुरंत बिजली चोरी का प्रकरण दर्ज कर उपभोक्ता पर लगभग 7.52 लाख रूपये की बिलिंग की गई।

विद्युत कंपनी की अपील

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी और अनधिकृत उपयोग के विरूद्ध कंपनी द्वारा निरंतर अभियान संचालित किया जाएगा। कंपनी समस्त उपभोक्ताओं से आग्रह करती है कि वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। बिजली चोरी न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे विद्युत वितरण प्रणाली पर अनावश्यक भार पड़ता है, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित होने के साथ ही कंपनी को राजस्व की हानि होती है। कंपनी ने कहा है कि अनधिकृत उपयोग अथवा बिजली चोरी पकड़े जाने पर न केवल भारी जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि संबंधित के विरुद्ध न्यायालयीन कार्यवाही और जेल भेजने जैसे कड़े कदम भी उठाए जाएंगे। यदि उपभोक्ता अपने परिसर में गैर घरेलू (कमर्शियल) गतिविधि या उच्च क्षमता के उपकरण (जैसे कोल्ड स्टोरेज, ई-व्हीकल चार्जर) का उपयोग कर रहे हैं, तो नियमानुसार भार (Load) स्वीकृत कराएं तथा प्रयोजन के अनुसार कनेक्शन लें।

अशोकनगर पुलिस की बड़ी सफलता

06 घंटे में नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण का खुलासा कर बालिका को सकुशल दस्तोयाब किया

सगी बुआ ने ही किया था 1 लाख रुपये में सौदा

महिला सहित चार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल. अशोकनगर पुलिस ने तत्परता, संवेदनशीलता एवं पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए मात्र 06 घंटे के भीतर नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण का सफलतापूर्वक पर्दाफाश कर बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन, एक महिला आरोपी सहित चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 23 मई को प्रातः लगभग 05:00 बजे 17 वर्षीय नाबालिग बालिका घर से बाहर शौच हेतु निकली थी, तभी पूर्व से घात लगाए बैठे आरोपियों द्वारा उसे जबरन वाहन में बैठाकर अपहरण कर लिया गया। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक अशोकनगर श्री राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में तीन विशेष संयुक्त टीमों का गठन कर तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। एक टीम द्वारा तकनीकी संसाधनों के माध्यम से लगातार विश्लेषण किया गया, जबकि अन्य टीमों द्वारा स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों, होटल, ढाबों, बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन आदि पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

तकनीकी एवं मैदानी इनपुट के आधार पर आरोपियों के राजगढ़ जिले की ओर जाने की जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस की संयुक्त टीमें तत्काल रवाना हुईं। पुलिस टीम द्वारा ब्यावरा के समीप घटना में प्रयुक्त वाहन सहित महिला आरोपी गुड्डी बाई गुर्जर, नीरज जोगी एवं प्रेम गुर्जर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा नाबालिग बालिका एवं एक अन्य आरोपी को नजीराबाद क्षेत्र में छोड़ने की जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा नजीराबाद क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी लखन गुर्जर को गिरफ्तार करते हुए नाबालिग बालिका को सकुशल मुक्त कराया गया।

प्रकरण में जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पीड़िता की सगी बुआ द्वारा ही 1 लाख रुपये में बालिका का सौदा आरोपी गुड्डी बाई गुर्जर से किया गया था। उक्त सौदे के तहत आरोपी गुड्डी बाई गुर्जर ने अपने भाई लखन गुर्जर, प्रेम सिंह गुर्जर एवं नीरज जोगी के साथ मिलकर पूरी वारदात की साजिश रचकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस द्वारा पीड़िता की सगी बुआ को भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है। ईसागढ़ पुलिस द्वारा अपहृत नाबालिग आदिवासी बालिका को सकुशल मुक्त कराकर वन स्टॉप सेंटर में सुरक्षित रखवाया गया है।

रतलाम के डायल-112 हीरोज

सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया

भोपाल. रतलाम जिले के थाना बिलपांक क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यवाही से सड़क दुर्घटना में घायल हुए बुजुर्ग व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। त्वरित सहायता मिलने से घायल बुजुर्ग को समय रहते चिकित्सकीय सुविधा मिल सकी।

26 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना बिलपांक क्षेत्र अंतर्गत बिलपांक-दंतोड़िया रोड पर दो मोटर साइकिलों की टक्कर हो गई है, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए हैं। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल थाना बिलपांक क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया।

डायल-112 स्टाफ आरक्षक श्री संजय वास्कले एवं पायलट श्री जशवंत सोलंकी ने मौके पर पहुंचकर पाया कि दो मोटर साइकिलों की आपस में टक्कर होने से एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए थे। डायल-112 जवानों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घायल बुजुर्ग को सुरक्षित डायल 112 वाहन से मेडिकल कॉलेज रतलाम पहुँचाया।

डायल-112 हीरोज श्रृंखला की यह कार्यवाही दर्शाती है कि डायल-112 सेवा आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल सहायता पहुँचाकर आमजन की सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। सड़क दुर्घटनाओं सहित हर संकट की स्थिति में डायल-112 जवान संवेदनशीलता, तत्परता एवं सेवा भाव के साथ लोगों की मदद कर रहे हैं।

पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के तहत मुखबिरों को मिलेगा 2 लाख रुपये तक का पुरस्कार

बेटियों के सम्मान, सुरक्षित भविष्य के लिए सामाजिक aजागरूकता में सक्रिय सहभागिता की अपील

भोपाल. कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम के लिए राज्य शासन द्वारा गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम 1994 एवं नियम 1996 (पी.सी.पी. एन.डी.टी. एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

आमजन को जागरूक करने और अवैध लैंगिक चयन गतिविधियों के विरुद्ध सशक्त विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना-2021" संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत अवैध भ्रूण लिंग जांच, लिंग चयन अथवा संबंधित गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना देकर कार्रवाई में सहयोग करने वाले मुखबिरों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। सफल सूचना अथवा स्टिंग ऑपरेशन के आधार पर कार्रवाई होने एवं न्यायालय में अपराध सिद्ध होने की स्थिति में कुल 2 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि मुखबिर, डिकॉय महिला, अभियोजन अधिकारी, जिला नोडल अधिकारी और अन्य अधिकृत व्यक्तियों को नियमानुसार वितरित की जाती है।

योजना में मुखबिर की सूचना पर विधिक कार्रवाई होने की स्थिति में प्रथम किश्त के रूप में 1.25 लाख रुपये की राशि कोर्ट में चालान प्रस्तुत होने पर तथा द्वितीय किश्त के रूप में 75 हजार रुपये की राशि न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार सफल स्टिंग ऑपरेशन की स्थिति में मुखबिर, डिकॉय महिला एवं सहयोगियों को भी निर्धारित प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के प्रभावी प्रवर्तन के लिये शासन द्वारा स्टिंग ऑपरेशन को महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में उपयोग किया जा रहा है। अवैध भ्रूण लिंग जांच एवं लिंग चयन गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों और संस्थानों के विरुद्ध साक्ष्य आधारित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए डिकॉय महिला एवं मुखबिरों के माध्यम से गोपनीय स्टिंग ऑपरेशन संचालित किए जाते हैं।

सफल स्टिंग ऑपरेशन के सत्यापन उपरांत प्रथम किश्त के रूप में कुल 1 लाख 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है, जिसमें मुखबिर को 50 हजार रुपये, डिकॉय महिला को 20 हजार रुपये, सहयोगी को 10 हजार रुपये, जिला नोडल अधिकारी अथवा अन्य अधिकृत अधिकारी को 15 हजार रुपये तथा अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपये दिए जाते हैं। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर द्वितीय किश्त के रूप में कुल 75 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं, जिसमें मुखबिर को 30 हजार रुपये, डिकॉय महिला को 10 हजार रुपये, सहयोगी को 5 हजार रुपये, जिला नोडल अधिकारी अथवा अन्य अधिकृत अधिकारी को 10 हजार रुपये तथा अभियोजन अधिकारी को 20 हजार रुपये की राशि नियमानुसार वितरित की जाती है। बेटियों के सम्मान, सुरक्षित भविष्य एवं समाज में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए भ्रूण लिंग जांच एवं लिंग चयन जैसी गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना प्रशासन को उपलब्ध कराएं और सामाजिक जागरूकता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

अनुसूचित जाति के युवाओं को रोजगार के लिये दिया जायेगा 10 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का लोन

जिले में इस वर्ष होंगे 340 युवा लाभान्वित

इन्दौर. राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत अनुसूचित जाति के युवाओं को उद्योग, व्यवसाय तथा सेवा ईकाई स्थापना के लिये 10 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का लोन दिया जायेगा। जिले में इस वर्ष इन योजनाओं के लक्ष्य प्राप्त हो गए हैं। जिले में इस वर्ष तीन विभिन्न योजनाओं में 340 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य शासन के मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिये संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना क्रियान्वित की जा रही है। जिले में इस वर्ष संत रविदास स्वरोजगार योजना में 100 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना में एक लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक उद्योग परियोजनाओं के लिये एवं एक लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक का लोन, सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु प्रदान किया जायेगा। योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही की उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

एमपीएसईडीसी द्वारा "यूएक्स4जी एडवांस्ड लेवल वर्कशॉप" हुई

सरकारी डिजिटल सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनाने पर हुआ मंथन

भोपाल.मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम द्वारा नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने के उद्देश्य से सोमवार को एक दिवसीय "यूएक्स4जी एडवांस्ड लेवल वर्कशॉप" का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य राज्य सरकार के प्रमुख डिजिटल पोर्टलों जैसे आरसीएमएस, संपदा और एमपी ई-सेवा पर नागरिकों को बेहतर डिजिटल अनुभव उपलब्ध कराना था।

कार्यशाला में सरकारी डिजिटल सेवाओं को अधिक सरल, आधुनिक और सहज बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से पोर्टलों की उपयोगकर्ता पहुंच बढ़ाने और नागरिकों के अनुभव को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यशाला का संचालन नेशनल ई-गवर्नेंस डिविजन के सहयोग से किया गया। इस दौरान श्री अजीत विसेन, सुश्री सबा और श्री आकर्षण चौहान ने यूआई/यूएक्स ट्रांसफॉर्मेशन और सरकारी डिजिटल सेवाओं में नवाचार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा की।

कार्यशाला में व्यावहारिक सत्रों और सामूहिक चर्चाओं के माध्यम से सरकारी पोर्टलों को अधिक नागरिक हितैषी बनाने के लिए सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें विभिन्न विभागों के 25 अधिकारियों एवं डिजाइनरों ने सहभागिता की।

साइबर तहसील 2.0 से नामांतरण प्रक्रिया हुई डिजिटल, पारदर्शी और सरल

5.60 लाख से अधिक ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों का हुआ त्वरित निराकरण

अब 70 दिन की प्रक्रिया मात्र 20 से 25 दिन में हो रही पूरी

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

राज्य सरकार का लक्ष्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं सरल, सुगम और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में प्रारंभ की गई "साइबर तहसील 2.0" पहल राजस्व प्रणाली में ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण परिवर्तन का माध्यम बनी है। भूमि नामांतरण प्रक्रिया को डिजिटल और केंद्रीकृत बनाकर इस व्यवस्था ने नागरिक सुविधाओं को अधिक सहज और प्रभावी बनाया है और ईज़ ऑफ़ लिविंग को मजबूत किया है।

डिजिटल व्यवस्था से त्वरित हुआ नामांतरण निराकरण

"साइबर तहसील 2.0" व्यवस्था से अब तक प्रदेश में 5.60 लाख से अधिक ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। पहले जहां नामांतरण की प्रक्रिया में लगभग 70 दिन का समय लगता था, वहीं अब अधिकांश प्रकरण मात्र 20 से 25 दिनों में पूरे हो रहे हैं। इससे नागरिकों के समय, श्रम और धन की बचत सुनिश्चित हुई है।

"साइबर तहसील 1.0" से "2.0" तक का सफल विस्तार

राज्य सरकार ने साइबर तहसील व्यवस्था की शुरुआत "साइबर तहसील 1.0" के रूप में की थी। इसके अंतर्गत प्रारंभिक चरण में पूर्ण खसरा से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को शामिल किया गया था। रजिस्ट्री के बाद पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होती थी और मैन्युअल हस्तक्षेप को न्यूनतम रखा गया था। इस व्यवस्था की सफलता को देखते हुए सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए "साइबर तहसील 2.0" लागू की। इसमें अब आंशिक खसरा, अर्थात भूमि के किसी हिस्से की बिक्री से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को भी डिजिटल प्रणाली में शामिल किया गया है।

आंशिक खसरा प्रकरणों का समाधान हुआ सरल

आंशिक खसरा से जुड़े मामले तकनीकी रूप से अधिक जटिल माने जाते हैं, क्योंकि इनमें भूमि के हिस्से का सीमांकन, रिकॉर्ड संशोधन और संबंधित जानकारी का सटीक अद्यतन आवश्यक होता है। "साइबर तहसील 2.0" ने इस चुनौती का समाधान डिजिटल तकनीक से किया है। इससे राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन करने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है। साथ ही भूमि संबंधी विवादों की संभावनाओं में भी कमी आई है।

प्रदेशभर में प्रभावी रूप से लागू व्यवस्था

"साइबर तहसील 2.0" वर्तमान में प्रदेश के सभी जिलों और तहसीलों में प्रभावी रूप से संचालित हो रही है। यह व्यवस्था प्रदेश की लगभग 1,192 क्षेत्रीय तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अदालतों के साथ रीयल-टाइम समन्वय में कार्य कर रही है। केंद्रीकृत डिजिटल प्रणाली से प्रकरणों की निगरानी, प्रगति की समीक्षा और समयबद्ध निराकरण अधिक प्रभावी हुआ है।

पारदर्शिता और जवाबदेही को मिला बल

"साइबर तहसील 2.0" केवल एक तकनीकी प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि पारदर्शी और जवाबदेह शासन की प्रभावी पहल बनकर उभरी है। ऑनलाइन ट्रैकिंग व्यवस्था और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के कारण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है। इससे नागरिकों का शासन की व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

राजस्व सुधारों का प्रेरक मॉडल बन रहा मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश सरकार की यह पहल राजस्व प्रणाली में डिजिटल सुधारों का प्रभावी उदाहरण बनकर उभरी है। "साइबर तहसील 2.0" अब देश के अन्य राज्यों के लिए भी सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित सेवाओं का प्रेरक मॉडल बन रही है।

जनसुनवाई में त्वरित कार्रवाई

कांताबाई को मिली राहत, भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

इन्दौर. इंदौर जिले में जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण का क्रम लगातार जारी है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष जनसुनवाई में पहुंची कांताबाई पति मदनलाल निवासी बिजलपुर ने ग्राम कंपेल तहसील खुड़ैल स्थित अपनी भूमि पर किए गए अतिक्रमण की शिकायत प्रस्तुत की थी।शिकायत में बताया गया कि जीवन पटेल द्वारा शिकायतकर्ता की भूमि पर खंभे गाड़कर अतिक्रमण किया गया है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की तथा भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया। त्वरित कार्रवाई से शिकायतकर्ता कांताबाई को तत्काल राहत मिली।

जिला प्रशासन द्वारा की गई इस संवेदनशील एवं प्रभावी कार्रवाई से आमजन में विश्वास मजबूत हुआ है कि जनसुनवाई के माध्यम से उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

राह-वीर योजना अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप 25 हजार रुपये का मिला पुरस्कार

इन्दौर. इंदौर में एक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अपस्ताल पहुँचाकर नया जीवन देने वाले श्री निलेश गौर को राज्य शासन के राह-वीर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

सम्मान स्वरूप उन्हें कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रूपये भी दिए गए हैं।

यह अवार्ड आज उन्हें कलेक्टर कार्यालय में सौंपा गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने श्री निलेश गौर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर कहा कि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को गोल्डन ऑवर में इलाज के लिए निकटतम अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाकर अनुकरणीय कार्य किया है। एक राह-वीर के रुप में किए गए इस सराहनीय कार्य के लिए श्री निलेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के पुनीत कार्य करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आपके उक्त सम्माननीय कार्य से अन्य नागरिक भी प्रेरित होंगे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय अप्रेजल कमेटी द्वारा अनुमोदन कर प्रस्ताव राज्य सड़क सुरक्षा समिति लीड एजेंसी को प्रेषित किए जाते हैं।

900 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी को मिला नवजीवन

जल संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संगम का साक्षी बना तिल्लौर खुर्द गाँव

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर संचालित "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत गंगा दशहरा उत्सव के अवसर पर जनपद पंचायत इंदौर द्वारा राऊ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिल्लौर खुर्द में ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व से जुड़े भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 900 वर्ष प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार एवं लोकार्पण का शुभ अवसर श्रद्धा, संस्कृति और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री मधु वर्मा, इंदौर जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया (कान्हा पटेल) सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, श्रद्धालुजन एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में परम पूज्य महंत श्री सोमेश्वर गिरी जी महाराज द्वारा ने बताया कि विक्रम संवत 1184 में निर्मित इस प्राचीन बावड़ी का जीर्णोद्धार न केवल एक ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण का प्रयास है, बल्कि यह हमारी प्राचीन जल संरक्षण परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी प्रेरणादायी पहल माना जा रहा है। सदियों पुरानी यह बावड़ी आज भी भारतीय संस्कृति, आस्था और पर्यावरणीय चेतना का जीवंत प्रतीक बनी हुई है।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने इस ऐतिहासिक धरोहर के पुनर्स्थापन को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। वक्ताओं ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस प्रकार के प्रयास आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और जल संवर्धन की परंपराओं से जोड़ने का कार्य करेंगे। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

एमपी लॉकर ऐपः नागरिक सेवाओं का सुगम माध्यम

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित स्वचालित दस्तावेज़ खोज और वैधता समाप्ति अलर्ट जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म

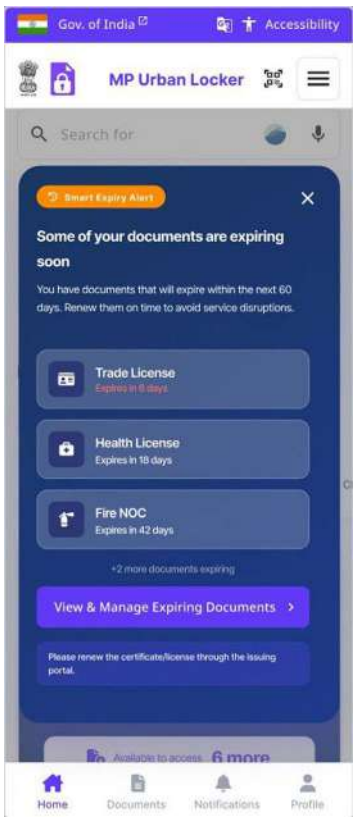

भोपाल. नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नागरिक सेवाओं के लोक-कल्याणकारी एवं डिजिटल रूपांतरण की दिशा में एक युगांतरकारी नवाचार करते हुए एमपी लॉकर ऐप को राज्य स्तरीय डिजिटल दस्तावेज़ प्लेटफ़ॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है।

यह प्रयास "डिजिटल गवर्नेंस" एवं "पेपर लेस एडमिनिस्ट्रेशन" के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की एक उल्लेखनीय और अभूतपूर्व उपलब्धि बनकर उभरा है। इससे प्रदेश के नागरिकों को अपने महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेखों व प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए डिजिटल कवच प्राप्त हुआ है। यह ऐप गुगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

दस्तावेज़ों का सुरक्षित संचयन एवं सर्वसुलभ उपलब्धता

एमपी लॉकर ऐप से राज्य के नागरिक अपने महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेजों- जैसे विभिन्न प्रमाण-पत्र, अनुज्ञप्ति (लाइसेंस), अनापत्ति प्रमाण-पत्र कर रसीदें एवं अन्य विधिक प्रलेखों को कभी भी और कहीं से भी सुरक्षित रूप से प्राप्त, संचयित एवं साझा कर सकते हैं। वर्तमान में इस अत्याधुनिक प्लेटफ़ॉर्म पर eNP, ABPAS एवं भोपाल नगर निगम से संबंधित 22 से अधिक नागरिक केंद्रित सेवाएँ सुगमता से उपलब्ध हैं। इनमें मुख्य रूप से संपत्ति कर रसीद, जल कर रसीद, व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस), अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, भवन अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) तथा संपत्ति नामांतरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण सेवाएँ समाहित हैं।

नवाचार के मुख्य आकर्षणः एआई क्षमताएं और 'वैधता समाप्ति चेतावनी'

एमपी लॉकर ऐप की विशेषता इसका कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सुसज्जित स्वरूप है, जो नागरिकों को निम्नलिखित विशिष्ट सुविधाएँ प्रदान करता हैः

स्वचालित दस्तावेज़ अभिज्ञान नागरिकों को अब अपने दस्तावेज़ों को खोजने के लिए किसी मैन्युअल अन्वेषण या जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। यह ऐप पंजीकृत मोबाइल नंबर से संबद्ध समस्त शासकीय दस्तावेज़ों की स्वतः पहचान कर उन्हें तत्काल स्क्रीन पर प्रदर्शित कर देता है।

वैधता समाप्ति पूर्व सूचनाः नागरिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए इसमें रिमाइंडर सिस्टम जोड़ा गया है। यह प्रणाली किसी भी दस्तावेज़ या लाइसेंस की वैधता समाप्त होने से पूर्व ही नागरिक को स्वतः सूचित कर सचेत कर देती है, जिससे समय रहते उनका नवीनीकरण सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सप्ताहों का कार्य अब क्षणों में: समय और श्रम की बचत

एमपी लॉकर ऐप के क्रियान्वयन से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में दक्षता आई है। नागरिकों की शासकीय कार्यालयों तक होने वाली 70 से 80 प्रतिशत भौतिक यात्राओं में कमी दर्ज की गई है, जिससे उनके धन और श्रम दोनों की महती बचत हो रही है। दस्तावेज़ों को प्राप्त करने की अवधि दिनों से घटकर क्षणों में सिमट गई है।

भाषिनी' प्लेटफ़ॉर्म से सर्वसमावेशी स्वरूप और 'एंटीटी लॉकर' का भविष्य

एमपी लॉकर ऐप को सर्वसमावेशी एवं जन-जन के लिए सुलभ बनाने के लिये भारत सरकार के "भाषिनी" प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बहुभाषीय समर्थन प्रदान किया गया है, जो भाषाई बाधाओं को दूर कर अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन की पहुँच सुनिश्चित करता है।

राज्य सरकार की इस दूरदर्शी योजना के अंतर्गत आगामी चरणों में मध्यप्रदेश सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों की लोक-सेवाओं को भी क्रमिक एवं व्यवस्थित रूप से एमपी लॉकर ऐप के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके साथ ही, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं उद्यमों के लिए "एंटीटी लॉकर" की विशेष सुविधा का प्रावधान भी किया जा रहा है, जिसके माध्यम से संस्थान अपने महत्वपूर्ण वाणिज्यिक एवं वैधानिक दस्तावेजों को सुरक्षित परिवेश में संचयित और प्रबंधित कर सकेंगे।

कलेक्टर्स आबकारी नीति का कड़ाई से कराएं पालनः उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

नियमों का उल्लंघन करने वाली मदिरा दुकानों पर होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल. उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने जिलों के कलेक्टर्स को आबकारी व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि शासन ने वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा निर्देश दिए हैं कि आबकारी विभाग अब अवैध रूप से संचालित शॉप बार, समय सीमा के उल्लंघन और ओवर रेटिंग जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य व्यापी विशेष अभियान चलाया जाए। नियमों की अनदेखी करने वाले मदिरा ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार आबकारी नीति का कड़ाई से पालन कराया जाएं। उन्होंने आबकारी विभाग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय ने सभी जिला अधिकारियों को बिंदुवार दिशा-निर्देश जारी कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। सरकार के इस कदम से अवैध रूप से मदिरा का विक्रय और उपभोग कराने वाले तत्वों पर शिकंजा कसेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि नीतिगत प्रावधानों में प्रदेश की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानों को पूरी तरह 'ऑफ श्रेणी' का घोषित किया गया है, जिसके तहत दुकान परिसर या उसके आसपास मदिरा सेवन की सुविधा उपलब्ध कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने नियमों के उल्लंघन करने की शिकायतों की सघन जांच के लिए विशेष दलों का गठन कर औचक निरीक्षण के बाद अवैध अहातों और उपभोग स्थलों को बंद करने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि इसके साथ ही, मदिरा दुकानों के निर्धारित समय से पहले खुलने और बंद होने के तय वक्त के बाद भी देर रात तक मदिरा की बिक्री किए जाने के मामलों को गंभीरता से लिया गया है। राजपत्र में निर्धारित समय सीमा का कड़ाई से पालन कराने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें गश्त करेंगी। वहीं, उपभोक्ताओं से तय मूल्य से अधिक राशि वसूलने यानी ओवर रेटिंग की शिकायतों पर रोक लगाने के लिए प्रत्येक दुकान पर विक्रय दरों का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। उन्होंने निर्देशित किया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मदिरा की वास्तविक दरों के सत्यापन के लिये दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा किए जाएं। कोई भी ठेकेदार यदि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर मदिरा बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ राजपत्र के प्रावधानों के तहत भारी जुर्माना और लाइसेंस निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई की जाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा है कि प्रदेश के पवित्र घोषित किए गए नगरों और क्षेत्रों में मदिरा की अवैध बिक्री पर भी पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गये हैं। इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पूर्व से ही मदिरा दुकानों को पूरी तरह बंद रखने के आदेश लागू हैं। अब वहां किसी भी प्रकार के शराब के अवैध परिवहन या बिक्री को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

जिला प्रशासन विभाग इन्दौर का नशा मुक्ति अभियान जारी

एक्रोपॉलिस संस्थान में विशेष जनजागरण अभियान आयोजित किया गया

इन्दौर. कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के द्वारा दिये निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

इस अभियान और प्रभावी बनाने के लिए एक्रोपॉलिस संस्थान पहुंचकर युवाओं विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की खुशियों को भी प्रभावित करता है। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन अपनाने एवं समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई।

यहां भी बताया कि नशा और जुनून भविष्य में एक सफल जिम्मेदार नागरिक बनने का रखे स्वास्थ्य जीवन ,सफल भविष्य और देश की युवा का योगदान देश को आगे सफल जिम्मेदार नागरिक बन समाज में अपना योगदान करें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आबकारी विभाग के इस जनहितकारी अभियान की सराहना की। आबकारी विभाग द्वारा भविष्य में भी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार जागरूकता अभियान चलाए जाने की बात कही गई। इसी के अंतर्गत कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आज एक्रोपॉलिस संस्थान में विशेष जनजागरण अभियान आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान एडीईओ श्री धर्मेंद्र जोशी, श्री अनिल माथुर, श्री राघवेन्द्र सिंह कुशवाह, श्री जहांगीर खान, श्री गोपाल यादव, श्री कमलेश सोलंकी, सुश्री प्रीति चौबे तथा उप-निरीक्षक सुश्री मीरा सिंह, सुश्री जाया मुजाल्दे, सुश्री प्रियंका रानी चौरसिया, श्री कैलाश अखंडे का सराहनीय योगदान रहा।

अपनापन' केवल पुस्तक नहीं, बल्कि संगठन, समर्पण, संघर्ष और नेतृत्व की कार्यशैली को समझने का दस्तावेज है : मुख्यमंत्री

नई पीढ़ी और कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेगी पुस्तक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान को पुस्तक विमोचन पर दीं बधाई

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ कार्य करने के अनेक अनुभव लाखों कार्यकर्ताओं के पास हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का लगभग 35 वर्षों का लंबा साथ विशेष महत्व रखता है।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने युवा मोर्चा के अध्यक्ष, केसरिया वाहिनी के दायित्व, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री के रूप में अपने लंबे सार्वजनिक जीवन के अनुभवों को पुस्तक अपनापन में साझा किया है। यह केवल संस्मरणों का संकलन नहीं, बल्कि संगठन, समर्पण, संघर्ष और नेतृत्व की शैली को समझने का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। पुस्तक ''अपनापन'' नई पीढ़ी और कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देने का कार्य करेगी। सभी कार्यकर्ता और युवा यह पुस्तक पढ़ें और उससे मार्गदर्शन प्राप्त करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक ''अपनापन : नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव'' के नई दिल्ली में हुए लोकार्पण कार्यक्रम के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में व्यक्त किए।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री देवगौड़ा और पूर्व उपराष्ट्रपति श्री वैंकेया नायडू की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ व्यतीत गए समय और उस काल के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और पुस्तक के प्रकाशक प्रभात प्रकाशन को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा और पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकेया नायडू की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्रीगण, अनेक प्रदेशों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, पत्रकार, समाजधर्मी और लेखक उपस्थित थे।

अधिकारियों को हिदायत वर्षा ऋतु से पहले सड़क और ब्रिज निर्माण कार्य करे पूर्ण-हर हाल में यातायात व्यवस्था रहे सुचारू : कलेक्टर श्री शिवम वर्मा

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

इन्दौर.कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सड़कों की मरम्मत, अपूर्ण सड़क एवं ब्रिज निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव अथवा यातायात अवरोध जैसी स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए अभी से प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, डीसीपी ट्रैफिक श्री राजेश त्रिपाठी, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, नगर निगम इंदौर के अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों एवं अन्य प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने पर जोर दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि सड़कों पर अनधिकृत रूप से वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार के लिए जनजागरूकता जितनी आवश्यक है, उतनी ही जरूरी सतत प्रवर्तन एवं कार्रवाई भी है। बैठक में ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर श्री वर्मा ने खंडवा रोड, उज्जैन रोड तथा मुंबई-आगरा रोड पर चल रहे सड़क एवं ब्रिज निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए बारिश के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश कार्य पूर्ण नहीं हो पाते हैं, तो वहां वैकल्पिक एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन एवं वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में आगामी जून माह में आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के सम्मेलन को दृष्टिगत रखते हुए शहर की यातायात व्यवस्थाएं सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन के दौरान यातायात प्रबंधन में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए।

जनसुनवाई बनी जरूरतमंदों का सशक्त माध्यम, एक ही छत के नीचे मिल रहा सहारा

इन्दौर. इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी रही है।

जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की। प्रशासन की जनहितैषी एवं मानवीय कार्यशैली से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में पहुंचे अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण परिषद के सदस्यों ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का पगड़ी पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया। संस्था के अध्यक्ष श्री सुधीर सेठी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के हित में निरंतर सकारात्मक कार्य किए जा रहे हैं। इसी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए संस्था के सदस्य जनसुनवाई में पहुंचे। साथ ही उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को बधाई देते हुए प्रशस्ति पत्र भी भेंट किया।

एक अन्य प्रकरण में श्री राजेश वेद अपनी बेटी सुश्री काव्या वेद के साथ जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अपनी बेटी की स्कूल फीस जमा करने में असमर्थ थे। इस पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। सहायता मिलने के बाद श्री राजेश वेद ने कहा कि अब मेरी बेटी की शिक्षा का रास्ता फिर से खुल गया है। इसी प्रकार जनसुनवाई में पहुंचीं श्रीमती मीना बाई को स्वरोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से वे अपना रोजगार संचालित कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी। सहायता प्राप्त होने पर उन्होंने शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक अन्य प्रकरण में श्री विजय फांसे ने भी अपनी समस्या कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि टीबी के इलाज के लिए आर्थिक तंगी होने के कारण उपचार प्रभावित हो रहा है और परिवार आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने एवं आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।